अनुक्रमांक .....

नाम .

103/2 308(DV)

2015

संस्कृत

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. अधोलिखित श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए : 5

क) प्राप्तः किलाद्य वचनादिह पाण्डवानां
दौत्येन भृत्य इव कृष्णमतिः स कृष्णः ।
श्रोतुं सखे ! त्वमपि सञ्जय कर्ण ! कर्णौ
नारी मृदूनि वचनानि युधिष्ठिरस्य ?

i) अस्य श्लोकस्य वक्ता कोऽस्ति ?

ii) कृष्णमतिः कोऽस्ति ?

iii) युधिष्ठिरस्य वचनानि कीदृशानि सन्ति ?

iv) अत्र कः कं प्रति किं कथयति ?

v) श्लोकेऽस्मिन् कोऽलङ्कारः ?

ख) एवं परस्परविरोधविवर्धनेन
शीघ्रं भवेत् कुरुकुलं नृप नामशेषम् ।
तत् कर्तुमर्हति भवानपकृष्यरोषम्
यत् त्वां युधिष्ठिरमुखाः प्रणयाद् ब्रुवन्ति ॥

i) श्लोकेऽस्मिन् केन कं प्रति उक्तम् ?

ii) के प्रणयाद् ब्रुवन्ति ?

iii) किं नामशेषं भविष्यति ?

iv) केन कुरुकुलं नृपनामशेषम् ?

v) कः रोषमपकर्षतु ?

2. अधोलिखित में से किसी **एक** पात्र का चरित्र-चित्रण हिन्दी **अथवा** संस्कृत में कीजिए : 2

क) i) युधिष्ठिरः

ii) दुर्योधनः ।

ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की हिन्दी **अथवा** संस्कृत में व्याख्या कीजिए : 2

i) सम्बन्धो बन्धुभिः श्रेयान् लोकयोरुभयोरपि ॥

ii) राज्यं नामनृपात्मजैः सहृदयैर्जित्वा रिपून् भुज्यते।

3. अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए :

कालिदासस्य नवनवेन्मेषशालिन्याः प्रज्ञायाः उन्मीलनम् तस्य कृतिषु नास्तीति कस्यचित्सुधियः परोक्षम् । रघुवंशं

कुमारसंभवञ्च तस्य महाकाव्यद्वयम्, मेघदूतम् ऋतुसंहारश्च खण्डकाव्ये, मालविकाग्निमित्रं विक्रमोर्वशीयम् अभिज्ञान-शाकुन्तलञ्च नाटकानि सन्ति । तत्र रघुवंशं नाम महाकाव्यं कविकुलगुरोः सर्वातिशायिनी कृतिरस्ति । अस्मिन् महाकाव्ये दिलीपादारभ्य अग्निवर्ण पर्यन्तम् इक्ष्वाकुवंशावतंसभूतानां नृपादिनां निरूपणमस्ति । कुमारसंभवे स्वामिकार्तिकेयस्य जन्मोपवर्णितम् ।

i) अस्य गद्यांशस्य शीर्षकं संस्कृते लिखत । 1

ii) का कविकुलगुरोः सर्वातिशायिनी कृतिरस्ति: ? 1

iii) इक्ष्वाकुवंशस्य निरूपणं कुत्र अस्ति ? 1

iv) कुमारसंभवे कस्य जन्मोपवर्णितम् ? 1

v) रेखाङ्कित अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । 1

4. अधोलिखित गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 6

क) देश में निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या बहुत से वनों को निगल रही है । पर्वत नग्न किये जा रहे हैं, वृक्षों पर प्रतिक्षण कुठाराघात किया जा रहा है । वृक्षों एवं

वनों के अन्धाधुन्ध कटने से वर्षा में भूमिक्षरण हो रहा है । नदियों के किनारों पर बसे नगरों की नालियों से नदियों की गन्दगी में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है जिससे गंगा जैसी पवित्र नदियों का जल अपेय है ।

ख) अधोलिखित वाक्यों में से किन्हीं **चार** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 4

i) वलि से पृथ्वी माँगता है ।

ii) मन्दिर के चारों तरफ पुष्प हैं ।

iii) देवदत्त पैरों से लङ्गड़ा है ।

iv) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं ।

v) मुक्ति के लिए हरि को भजता है ।

vi) कृष्ण माता के प्रति भला है ।

vii) सूर्य के अस्त होने पर वह आया ।

5. क) अधोलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत में 15 पंक्तियों में निबन्ध लिखिए : 5

i) पर्यावरण सुरक्षा

ii) जनसंख्या विस्फोट:

iii) स्वास्थ्य शिक्षा

iv) सत्सङ्गति:

v) संस्कृत भाषा ।

ख) प्रधानाचार्य जी को अवकाश हेतु संस्कृत में प्रार्थनापत्र लिखिए । 3

अथवा

अपनी छोटी बहन के विवाह में निमन्त्रित करते हुए अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखिए ।

6. अनुप्रास **अथवा** श्लेष अलंकार की परिभाषा हिन्दी **अथवा** संस्कृत में लिखकर उसका एक उदाहरण संस्कृत में लिखिए । 2

7. क) अधोलिखित वाक्यों के रेखाङ्कित पदों में से किसी **एक** में सूत्र निर्देश पूर्वक विभक्ति का उल्लेख कीजिए : 2

i) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति ।

ii) बालकाय मोदकं रोचते ।

iii) मित्र पापात् निवारयति ।

ख) 'चौराद् बिभेति' में 'चौराद्' पद में कौन-सी विभक्ति है ? 1

ग) 'बाला पुष्पेभ्य: स्पृह्यति' इस वाक्य में 'पुष्पेभ्य:' पद में कौन-सी विभक्ति है ? 1

i) द्वितीया

ii) तृतीया

iii) चतुर्थी

iv) षष्ठी ।

8. अधोलिखित पदों में किन्हीं **तीन** समस्त पदों का विग्रह सहित समास का नाम लिखिए : 3

i) यथाशक्ति

ii) जीवनप्राप्त:

iii) घनश्याम:

iv) चतुर्युगम्

v) पितरौ

vi) बहुदण्डिका

vii) विष्णुपुरम् ।

9. क) 'विष्णवे' पद का सन्धि-विच्छेद होगा

i) विष्णु - ए

ii) विष्णो - ए

iii) विष्ण् - वे

iv) विष्ण - ओ । 1

ख) 'उपेन्द्र:' में सन्धि-विधायक सूत्र है

i) आद्‌गुण:

ii) इको यणचि

iii) अक: सवर्णे दीर्घ:

iv) एचोऽयवायाव: । 1

0. क) 'धेनो:' पद 'धेनु' प्रातिपदिक के किस विभक्ति और किस वचन का रूप है ?

i) तृतीया, बहुवचन

ii) पञ्चमी, एकवचन

iii) चतुर्थी, द्विवचन

1

iv) पञ्चमी, बहुवचन । 1

ver

ख) नदी प्रातिपदिक के चतुर्थी, एकवचन का रूप होगा

i) नद्या:

ii) नदीम्

iii) नद्यो:

iv) नद्यै । 1

11. क) 'जेष्यत:' 'जि' धातु के किस लकार, पुरुष और वचन का रूप है ? 1

i) लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

ii) लृट् लकार, प्रथम पुरुष, द्विवचन

iii) लोट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन

iv) लङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन ।

ख) 'पठ्' धातु लिङ् , लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन में रूप होता है

i) पठेयु:

ii) पठे: `

iii) पठेत

iv) पठेव । 1

12. क) 'आदाय' पद में प्रयुक्त प्रकृति प्रत्यय है

i) आ पूर्वक दा - ल्यप्

ii) आ पूर्वक दा - क्त्वा

iii) आ पर्वक दा - तव्यत्

iv) आ पूर्वक दा - अनीयर् । 1

ख) 'पा' धातु में क्त्वा प्रत्यय लगने पर रूप होगा

i) पात्वा

ii) पीत्वा

iii) पातुम्

iv) पेयम् । 1

13. अधोलिखित में से किसी **एक** वाक्य का वाच्य परिवर्तन कीजिए : 1

i) छात्रै: अश्वा: नीय

ii) तया वित्तं दीयते

iii) भक्त: शास्त्रं पठति ।

308(DV) - 1,30,000